अध्याय 2

लेखापरीक्षा रूप रेखा

2.1 लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र

निष्पादन लेखापरीक्षा में कम्पनी के 26 में से 13 कोयला आधारित पावर स्टेशनों और इसके संयुक्त उद्यमों (जेवी)/सहायक कंपनियों के ईंधन प्रबंधन सम्मिलित (एनटीपीसी के 18 स्टेशन और सहायक कंपनियों और संयुक्त उपक्रमों के 8 स्टेशन) है। लेखापरीक्षा जांच अप्रैल 2010 से मार्च 2016 की अवधि को कवर करती है।

2.2 लेखापरीक्षा नमूना

विस्तृत जांच के लिए 13 पावर स्टेशनों का चयन किया गया था जिसमें एनटीपीसी के नए और पुराने पावर स्टेशन शामिल हैं। नमूने में बारहवीं योजना अवधि के दौरान बने सात स्टेशन सम्मिलित किए गये थे, जबकि शेष छः स्टेशन उनकी भौगोलिक स्थिति के आधार पर चयन किये गये थे।

तालिका-2.1: लेखापरीक्षा के लिए चयनित स्टेशन

क्रम सं.	स्टेशन का नाम	क्रम सं.	स्टेशन का नाम
1	दादरी	8	मौदा
2	बदरपुर	9	फरक्का
3	झज्जर (जेवी)[5]	10	बाढ़
4	विंध्याचल	11	तलचेर थर्मल
5	कोरबा	12	रामागुंडम
6	सीपत	13	वल्लूर (जेवी)[6]
7	रिहंद		

इसके अतिरिक्त, अप्रैल 2011 से मार्च 2016 की अवधि के दौरान दिये गये 40 आयातित कोयला पैकेजों में से 36 की जांच की गई थी। भण्डारण क्षमता सहित कोयला लिंकेज की

[5] अरावली पावर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का इन्दिरा गांधी सुपर थर्मल पावर स्टेशन, झज्जर, हरियाणा (क्रमशः 50 प्रतिशत, 25 प्रतिशत और 25 प्रतिशत शेयर धारिता के साथ एनटीपीसी, इन्द्रप्रस्थ पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड और हरियाणा पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड का सयुंक्त उद्यम)

[6] एनटीपीसी तमिलनाडू एनर्जी कंपनी लिमिटेड का वल्लूर थर्मल पावर स्टेशन (एनटीपीसी और तमिलनाडू इलेक्ट्रसिटी बोर्ड के साथ 50 प्रतिशत शेयर धारिता प्रत्येक का संयुक्त उद्यम)

जांच और कोयला स्टॉक की निगरानी के संबंध में, नमूना में सम्मिलित नहीं किये गये स्टेशन भी कवर किये गये थे।

2.3 लेखापरीक्षा उद्देश्य

इस निष्पादन लेखापरीक्षा का उद्देश्य यह निर्धारित करना था कि क्या:-

(i) दीर्घावधि ईंधन लिंकेज के माध्यम से सभी स्टेशनों की ईंधन सुरक्षा की गयी थी;

(ii) कोयले की खरीद और माल-सूची प्रबंधन किफायती रूप से, दक्षतापूर्वक और प्रभावपूर्ण तरीके से किया गया था;

(iii) स्टेशनों के द्वारा कोयले की खपत की मॉनिटरिंग के लिए उचित नियंत्रण विद्यमान थे;

(iv) कोयले की गुणवत्ता और मात्रा के मूल्यांकन के लिए उचित प्रक्रियाओं का पालन किया गया था; और

(v) ऊर्जा प्रभारों की बिलिंग केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा जारी टैरिफ विनियमों के अनुपालन में की गयी थी।

2.4 लेखापरीक्षा मापदंड

निष्पादन लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षा मापदंड निम्नलिखित से तैयार किये गये थे:-

(i) विद्युत मंत्रालय द्वारा जारी टैरिफ नीति, 2006।

(ii) भारत सरकार (कोयला मंत्रालय) द्वारा जारी नई कोयला वितरण नीति।

(iii) सीईआरसी (टैरिफ की विनियम और शर्तें) विनियम 2009, और 2014।

(iv) विनियामक और न्यायिक फोरमों के समक्ष कंपनी द्वारा दायर की गई याचिकाएं और याचिकाओं से संबंधित दस्तावेज

(v) दीर्घावधि कोयला लिकेजों के लिए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के प्रतिमानक।

(vi) कोयला कंपनियों के साथ ईंधन आपूर्ति करार और समझौता ज्ञापन।

(vii) निदेशक मण्डल और बोर्ड स्तर उप समिति की बैठकों के कार्यवृत्त।

(viii) कोयले के आयात के लिए अनुबंध पैकेज

(ix) स्टेशनों द्वारा जारी किये गये स्थानीय प्रबंधन अनुदेश

2.5 लेखापरीक्षा कार्यप्रणाली

लेखापरीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व, एनटीपीसी के प्रबंधन के साथ 2 सितम्बर 2015 को एक एन्ट्री कान्फ्रेंस आयोजित की गई थी जिसमें लेखापरीक्षा के कार्यक्षेत्र, उद्देश्यों, मानदंण्डों तथा लेखापरीक्षा नमूना पर चर्चा की गई थी। सितम्बर 2015 और जनवरी 2016 के बीच चयनित स्टेशनों की लेखापरीक्षा की गयी थी तथा मसौदा निष्पादन लेखा परीक्षा रिपोर्ट 26 फरवरी 2016 को एनटीपीसी को जारी की गई। एनटीपीसी के उत्तर 27 अप्रैल 2016 को प्राप्त हुए तथा उनके साथ 16 मई 2016 को एक्जिट कान्फ्रेंस आयोजित की गई। प्रबंधन के उत्तरों को प्रतिवेदन में सम्मिलित किया गया तथा संशोधित मसौदा प्रतिवेदन 1 सितम्बर 2016 को विद्युत मंत्रालय को जारी किया गया। विद्युत मंत्रालय के साथ एक्जिट कॉन्फ्रेंस 24 अक्तूबर 2016 को आयोजित की गई थी जिसमें प्रतिवेदन और उसपर प्रबंधन के उत्तरो पर चर्चा की गई। तत्पश्चात 10 नवम्बर 2016 को विद्युत मंत्रालय के विस्तृत उत्तर प्राप्त हुए जिन पर प्रतिवेदन को अंतिम रूप देते समय विचार किया गया है।

2.6 आभार

लेखापरीक्षा इस निष्पादन लेखापरीक्षा के सुचारू संचालन में एनटीपीसी और इसके जेवीज़ के प्रबंधन द्वारा दिए गए सहयोग का आभार व्यक्त करती है।

2.7 लेखापरीक्षा निष्कर्ष

लेखापरीक्षा निष्कर्ष निम्नलिखित अध्यायो के अन्तर्गत वर्गीकृत किये गये हैं:

अध्याय 3- स्वदेशी कोयले की अधिप्राप्ति

अध्याय 4- कोयले का आयात

अध्याय 5- कोयले की गुणवत्ता और मात्रा का निर्धारण

अध्याय 6- कोयला आपूर्ति प्रबंधन

अध्याय 7- विद्युत स्टेशनों द्वारा कोयले की खपत

अध्याय 8- निष्कर्ष और सिफारिशें।